वाट्सऐप @ 94140-78380, 92140-78380 | वर्ष :3 अंक : 325 | शनिवार 23 मार्च 2024 | दैनिक ई-पेपर

शाबाश इंडिया

@ShabaasIndia | प्लॉट नंबर 8, ओझा जी का बाग, गांधी नगर मोड, टोंक रोड, जयपुर

लोकसभा चुनाव प्रभारी सहस्त्रबुद्धे, प्रदेशाध्यक्ष जोशी और मुख्यमंत्री शर्मा ने चुनाव प्रबंधन समिति, लोकसभा कलस्टर प्रभारियों की ली बैठक

लोकसभा चुनाव में भाजपा के प्रत्याशियों को जिताने के लिए परिश्रम की पराकाष्ठा के लिए तैयार रहे कार्यकर्ताः डॉ विनय सहस्त्रबुद्धे

विकसित भारत के लिए मोदी सरकार जरूरी, राजस्थान निभाएंगा पूरी भागीदारीः सी पी जोशी

जनता का आशीर्वाद और कार्यकर्ताओं का साथ, फिर से 25 सीटों पर कमल खिलाकर राजस्थान रचेगा इतिहासः भजनलाल शर्मा

जयपुर. शाबाश इंडिया

प्रदेश के लोकसभा चुनाव प्रभारी डॉ विनय सहस्त्रबुद्धे ने भाजपा प्रदेश कार्यालय में चुनाव प्रबंधन समिति, लोकसभा कलस्टर प्रभारी एंव संयोजकों की संयुक्त बैठक को संबोधित करते हुए कहा कि कोई भी मतदाता हमारे संपर्क से अछूता ना रहे, जिसके पास हम मोदी सरकार का काम और भाजपा की नीतियों को लेकर ना पहुंचे। लोकसभा चुनाव प्रभारी डॉ विनय सहस्त्रबुद्धे ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 10 साल के कार्यकाल में देश में बहुत कुछ बदलाव हुआ है। गरीब को मान मिला है, समाज के वंचित को अधिकार मिला है। इसके कारण पूरे देश में भाजपा और मोदी जी के प्रति जनता में विश्वास बढ़ा है। हमें लोकसभा चुनाव में अपने प्रत्याशियों को जिताने के लिए परिश्रम की पराकाष्ठा करनी है ताकि राजस्थान सभी सीटों पर जीत की हैट्रिक बना सकें। भाजपा प्रदेशाध्यक्ष सीपी जोशी ने लोकसभा चुनावों की दृष्टि से करणीय कार्यों को विस्तार से समझाते हुए कहा कि विकसित भारत के संकल्प के लिए हमारी प्रतिबद्धता भी जरूरी है। यह वह टीम है जिसने तीन महीने पहले ही राजस्थान में कांग्रेस के कुशासन को उखाड़ फेंकने का काम किया। जिसके कारण आज राजस्थान की जनता राहत महसूस कर रही है। भाजपा प्रदेशाध्यक्ष सीपी जोशी ने कहा कि प्रदेश के कार्यकर्ताओं के अथक परिश्रम से हम जनता के मोदी जी पर विश्वास को भाजपा की 25 की 25 सीटों पर जीत में बदलेंगे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की रीति और नीति के चलते इस बार भाजपा 400 पार के लक्ष्य को अर्जित करेगी। इसमें राजस्थान का प्रत्येक मतदाता अपनी शत प्रतिशत भागीदारी निभाएंगा। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि भाजपा की ओर से जिन कार्यकर्ताओं को जो जिम्मेदारी सौंपी है वे उस जिम्मेदारी का निर्वाहन समर्पित भाव से करें। हम सब सामान्य कार्यकर्ता है, जनता ने भाजपा पर भरोसा किया और मोदी जी की गारंटी में विश्वास कर हमें सेवा का अवसर दिया है। इस लिए हमें सामान्य कार्यकर्ता का भाव अपने में बनाए रखते हुए जनता के बीच जाना चाहिए। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी का कार्यकर्ता समर्पित भाव से संगठन के लिए कार्य करता है। इसलिए संगठन के लिए कार्यकर्ता सर्वोपरी है। प्रदेश के सभी कार्यकर्ताओं को चुनाव अभियान में जोड़ने का प्रयास करें। प्रदेश की जनता का आशीर्वाद एंव कार्यकर्ताओं का साथ भाजपा को मिलेगा और प्रदेश की 25 की 25 सीटों पर कमल खिलेगा। इस अवसर पर लोकसभा चुनाव सह प्रभारी विजया राहटकर, सांसद प्रवेश वर्मा, ओंकार सिंह लखावत ने भी बैठक को संबोधित किया।

विद्यालय की स्थापना से लेकर आज तक की साक्षी रही हूंः दादी रतनमोहिनी

जयपुर/आबू रोड. कासं

ब्रह्माकुमारीज के शांतिवन मुख्यालय में शुक्रवार से चार दिवसीय शताब्दी महोत्सव का आगाज हो गया। महोत्सव में चार दिन तक देशभर से आए संत-महात्मा और अलग-अलग क्षेत्रों की जानीं-मानीं हस्तियां अपने विचार व्यक्त करेंगी। साथ ही मुंबई से आए कलाकार नृत्य, नाटक के माध्यम से अपनी कला का प्रदर्शन करेंगे। वहीं शाम को सांस्कृतिक संध्या का आयोजन किया जाएगा। महोत्सव के शुभारंभ पर मुख्य प्रशासिका राजयोगिनी दादी रतनमोहिनी ने कहा कि खुद को भाग्यशाली समझती हूं कि मुझे परमात्मा के कार्य में सेवा का मौका मिला। इस ईश्वरीय विश्व विद्यालय के स्थापना से लेकर आज तक इसकी साक्षी रही हूं। मेरे जीवन का अनुभव है कि जब हम कोई कार्य समाज के लिए निस्वार्थ भाव से करते हैं तो जीवन में आत्म संतोष मिलता है, खुशी रहती है। बचपन से ही संकल्प था कि यह जीवन समाज सुधार, समाज कल्याण के लिए लगाना है। दूसरों के लिए जीना ही असली जीवन है। अतिरिक्त मुख्य प्रशासिका राजयोगिनी बीके मोहिनी दीदी ने कहा कि दादी ने अपना पूरा जीवन विश्व कल्याण और लोगों की भलाई के लिए लगा दिया।

विश्व कविता दिवस 2024 में ''क स कविता'' सांस्कृतिक संध्या का आयोजन

जयपुर. शाबाश इंडिया

विश्व कविता दिवस के उपलक्ष में नाटकवाला कला मंच द्वारा विश्व कविता दिवस 2024 में ''क स कविता'' सांस्कृतिक संध्या का आयोजन नाटकवाला कला मंच आमेर पर किया गया, ये कविता दिवस राजस्थान की सुप्रसिद्ध प्राचीन लोक कला भक्ताई के लोक भजन गायक कलाकारों को समर्पित हैं, जिसमें आमेर के प्रसिद्धि भक्ताई लोक कलाकार स्वर्गीय पांचू राम सैनी, एवं स्वर्गीय महादेव सैनी, तेली बावड़ी की ढाणी आमेर, एवं अभी गत दिनों दिवंगत हुये लोक एवं गायक भक्ताई के लोक कवि स्वर्गीय श भगवान सहाय सेन निवासी आंकेडा डूंगर जयपुर को समर्पित सांस्कृतिक संध्या में, आमेर के बाल एवं युवा कलाकारों ने कविता का मंचन एवं भजन, लोक गीत इत्यादि की कवितामय प्रस्तुति देंगे साथ ही लोक नृत्य से मुख्य अथिति का सम्मान किया जायेगा। कार्यक्रम आयोजक नाटकवाला कला मंच के निदेशक ओम प्रकाश सैनी ने बताया की इस तरह का आयोजन आमेर एवं नाटकवाला कला मंच पर प्रथम बार आयोजित किया जा रहा हैं, आमेर के ग्रामीण क्षेत्र में कला के सभी क्षेत्रों में प्रतिभाओ की कोई कमी नहीं है, यहाँ की प्राचीन आमेर रियासत कालीन लोक कला भक्ताई आमेर ग्रामीण क्षेत्र में बहुत समृद्ध होते हुये भी आज के आधुनिक युग में राजस्थान के इतिहास में कहीं नाम तक नहीं हैं ' ग्रामीण क्षेत्र के अलावा जयपुर में भी लोग जानते तक नहीं है आमेर एवं जयपुर के राजाओं द्वारा राजदरबार में भक्ताई लोक कला को एक बड़े सम्मान के साथ आयोजित किया जाता था और भक्ताई के लोक कलाकारों उच्च सम्मान से पुरस्कृत किया जाता था ' और आज कला साहित्य संस्कृति विभाग एवं कला मंत्रियों के होने बावजूद आजादी के इतने वर्षों बाद भी ना तो भक्ताई लोक कला को कला के क्षेत्र में कोई जगह दी गयी ना ही इतिहास के,पन्नो में जगह तक नहीं मिल पाई, ना भक्ताई लोक कला के कलाकारों को कोई उचित सम्मान ना कोई मानदेय ना कोई बड़ा मंच भी आज तक नहीं दिया गया ' जवाहर कला केंद्र, रविंद्र मंच, संगीत नाटक अकादमियों में सालाना सैकड़ो सांस्कृतिक आयोजन होते फिर भी भक्ताई लोक कला के लिये आज तक ना कोई आयोजन हुआ ना कोई योजना भक्ताई लोक कला के लिये बनी सरकारी की सभी योजनाएं खोखली साबित हुई हैं ' फिर भी भक्ताई के लोक कलाकार अपनी कला को जिन्दा रखें हुये पुरे तन मन एवं समर्पण से लगे हुये ना कोई लोभ ना कोई सम्मान ' मैं स्वयं भक्ताई लोक भक्ताई परिवार से हूँ मेरे पड़ दादा स्वर्गीय पांचू राम सैनी भक्ताई लोक के सर्वोच्च कलाकारों रहे हैं आज भी भक्ताई लोक कला के आयोजन भक्ताई भजनो में उनके नाम एवं भजन से आयोजन की का शुभारम्भ कर उन्हें सम्मान दिया जाता हैं,जब मैंने नाट्य कला की पढ़ाई की कला की दुनियां के बारे में जाना तो समझा की कला का महत्व जीवन में कितना महत्वपूर्ण हैं ' और भक्ताई को आमेर के ग्रामीण इलाके के आलावा कोई जानता तक नहीं तो प्रण लिया की एक दिन भक्ताई लोक कला को साहित्य एवं कला के क्षेत्र में उचित सम्मान, और नाम दिलाने का, इसी को ध्यान में रखकर विश्व कविता दिवस पर कविता दिवस 2024 क स कविता का आयोजन भक्ताई के लोक कलाकारों को समर्पित हैं किया जा रहा । सरकार से निवेदन हैं की भक्ताई लोक कला को कला मंत्रालय एवं साहित्य में जगह दे और भक्ताई लोक कला के लिये कोई योजना निकाले जिससे निर्धन एवं साधारण जीवन जीने वाले लोक कलाकारों को उचिन मान सम्मान एवं बड़े मंच के साथ उचित मानदेय मिले।

नारी रत्न सम्मान आयोजन में सोनम पाटनी बनी मुख्य अतिथि

लाडनूं. शाबाश इंडिया

शिक्षा, संस्कृति, व कला के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य कर रही प्रतिष्ठित व लोकप्रिय संस्था कॅरियर मंत्र द्वारा आयोजित नारी रत्न सम्मान 2024 के कार्यक्रम में दिगंबर जैन समाज की सदस्य व फिल्म अभिनेत्री सोनम पाटनी को मुख्य अतिथि के रूप में आमंत्रित कर सम्मानित किया गया। जसवंतगढ़ में सुरजमल तापड़िया संस्कृत महाविद्यालय में आयोजित कार्यक्रम में शिक्षा, संस्कृति, कला व साहित्य आदि क्षेत्रों में सेवा भावना के साथ विशिष्ट योगदान देने वाली प्रतिभाशाली महिलाओं को नारी रत्न सम्मान से अलंकृत किया गया। कार्यक्रम के अध्यक्ष पद पर विख्यात उद्योगपति व भामाशाह बजरंग लाल तापड़िया ने मंच सुशोभित किया।सोनम पाटनी ने अपने उद्बोदन में कहा कि महिलाएं आज सभी विघ्न बाधाओं को पार कर हर क्षेत्र में तेज गति से व सफलता पूर्वक आगे बढ़ रही है। सोनम ने इस अवसर पर उन्हें सम्मानित करने के लिए कॅरियर मंत्र के निदेशक शंकर आकाश का आभार प्रकट किया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में महिलाओं व पुरुषों की उपस्थिति रही।

सत्य ही परमात्मा है और परमात्मा ही सत्य है : प्रवर्तक सुकनमुनि महाराज

सुनिल चपलोत. शाबाश इंडिया

जालोर। शुक्रवार सत्य ही परमात्मा है और परमात्मा ही सत्य है। शुक्रवार को संत शिरोमणी प्रवर्तक सुकनमुनि महाराज ने आचार्य रघुनाथ स्मृति जैन भवन मे आयोजित धर्मसभा में जैन समाज एवं छत्तीस ही कौम के धर्म अराधकों को सम्बोधित करते हुए कहा कि सत्य को झूठलाया ओर मिटाया नहीं जा सकता है क्योंकि सत्य ही ईश्वर है सत्य के समान दूसरा धर्म नहीं है। धर्म सदा सत्य में ही रहता है।असत्य के मार्ग पर चलने वालो का आजतक कभी भला नही हो पाया और नाहि कभी सत्य को वो पराजित कर पाए। जबकि सत्यनिष्ठ साधक दुखों से घिरा रहकर भी घबराता नहीं और न विचलित ही होता है। जबकि असत्य और झूठ की राह चलने वाला इंसान सदैव कठिनाइयों मे घिरा रहता है और दुख भोगना है, इंसान को सत्य का मार्ग नहीं छोड़ना चाहिए तभी वह सफलता के शिखर को छुकर मानव जीवन को सफल बना सकता है।

जल दिवस के अवसर पर संयुक्त परिचर्चा का आयोजन

ब्यावर. शाबाश इंडिया। श्री वर्द्धमान संयुक्त परिचर्चा का आयोजन शिक्षण समिति द्वारा संचालित श्री वर्द्धमान कन्या पी. जी. महाविद्यालय में 22 मार्च विश्व जल दिवस के अवसर पर एन. एस. एस. एवं मतदाता जागरूकता मंच के संयुक्त तत्वावधान में प्राचार्य डॉ. आर. सी. लोढ़ा के निर्देशन में संयुक्त परिचर्चा का आयोजन किया गया । महाविद्यालय अकादमिक प्रभारी डॉ. नीलम लोढ़ा नें मुख्य वक्ता के रूप में संबोधित करते हुए कहा कि 1.4 अरब से अधिक आबादी होने पर भी भारत के पास ताजे जल संसाधन का केवल 4 प्रतिशत ही है इसलिए हम सभी को जल संरक्षण का संकल्प लेना होगा। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए एन.एस.एस. अधिकारी श्रीमती प्रीती शर्मा ने अपने उद्बोधन की शुरूआत में रहिमन पानी राखिए, बिन पानी सब सून। पानी गए न ऊबरे, मोती मानस चून।। पंक्तियों के साथ जल की महत्ता पर प्रकाश डालते हुए छात्राओं को दैनिक जीवन में छोटे- छोटे प्रयासों द्वारा जल संरक्षण की प्रेरणा दी। इसी क्रम में जीवन विज्ञान एवं जैन विद्या की व्याख्याता श्रीमती सुनीता जैन ने जैन जीवन पद्धति के अनुसार जल के श्रेष्ठतम व समुचित प्रयोग करने हेतु छात्राओं को सुझाव दिये।

रिलायंस इंडस्ट्रीज के चेयरमैन मुकेश अंबानी को ''लाइफटाइम अचीवमेंट अवॉर्ड''

जियो के मैथ्यू ओमन को पाथब्रेकर ऑफ द ईयर अवार्ड मिला

नई दिल्ली। भारत के दूरसंचार क्षेत्र में अद्वितीय योगदान के लिए रिलायंस इंडस्ट्रीज के चेयरमैन और प्रबंध निदेशक मुकेश डी अंबानी को वॉयस एंड डेटा द्वारा प्रतिष्ठित लाइफटाइम अचीवमेंट अवार्ड से सम्मानित किया गया। वहीं वर्ष 2023 के लिए रिलायंस जियो इन्फोकॉम के प्रेसिडेंट मैथ्यू ओमन को ''पाथब्रेकर ऑफ द ईयर अवार्ड'' से नवाजा गया। देश में 5जी के तेज रोलआउट में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने के लिए ओमन को यह अवार्ड मिला। मुकेश अंबानी की लीडरशिप की प्रशंसा करते हुए मैथ्यू ओमन ने कहा, ''वॉयस और डेटा द्वारा मुकेश धीरूभाई अंबानी को लाइफटाइम अचीवमेंट अवार्ड दिए जाने से हम सम्मानित महसूस कर रहे हैं। उनकी लीडरशिप में कंपनी ने दूरसंचार, खुदरा, मीडिया और खेल क्षेत्रों में शानदार प्रदर्शन किया है। आज की डिजिटल दुनिया में भारत की भूमिका क्रांतिकारी होगी। एक उद्योग और राष्ट्र के रूप में, हमारा योगदान अद्वितीय रहेगा और यह सभी भारतीयों के लिए अधिक न्यायसंगत और टिकाऊ भविष्य की ओर अग्रसर होगा।'' वॉयस और डेटा पुरस्कार समारोह में रिलायंस जियो को नेटवर्क इंफ्रास्ट्रक्चर, बहुभाषी इंटरनेट, कम्युनिकेशन प्लेटफॉर्म, बिजनेस प्रोसेस इनोवेशन, नेटवर्क सर्विसेज और IOT सहित विभिन्न श्रेणियों में छह और पुरस्कार प्राप्त हुए है। मैथ्यू ओमन को पाथब्रेकर ऑफ द ईयर अवार्ड नीरज मित्तल और गोपाल विट्टल के साथ सयुंक्त रूप से मिला है। ओमन ने उद्योग जगत से जुड़े नीरज मित्तल और गोपाल विट्टल को बधाई दी।

गुरुमाँ विज्ञाश्री माताजी का हुआ मुनिश्री अनुसरण सागर जी से वात्सल्य मिलन

गुंसी, निवाई. शाबाश इंडिया

श्री दिगम्बर जैन सहस्त्रकूट विज्ञातीर्थ, गुन्सी (राज.) की पावन धरा पर गुरुमाँ विज्ञाश्री माता जी ससंघ का मुनिश्री 108 अनुसरण सागर जी महाराज ससंघ चार पिच्छियों से हुआ वात्सल्य मिलन महोत्सव । आर्यिका संघ ने श्रद्धा भावों के साथ मुनिश्री की आगवानी की। भक्तगणों ने जयकारों के साथ मुनिश्री एवं गुरुमाँ के पाद प्रक्षालन कर उत्सव मनाया। मुनिश्री ससंघ ने श्री शांतिनाथ - चैत्यालय के दर्शन किए। तत्पश्चात मुनिश्री के मुखारविंद, से अभिषेक, शांतिधारा का शुभ आयोजन सम्पन्न हुआ। दो संघों के बीच में धर्ममयी तत्वचर्चा का लाभ श्रावकों ने प्राप्त किया। निवाई, चाकसू , जयपुर, सवाईमाधोपुर , मालपुरा समाज ने दोनों संघों की आहारचर्या कराने का सौभाग्य प्राप्त किया। निरंतर अनेकानेक संतों के आगमन से विज्ञातीर्थ क्षेत्र गुन्सी की धरा पावन एवं पवित्रता को वृद्धिंगत कर रही है। पूज्य मुनिश्री ने निमार्णाधीन सहस्त्रकूट जिनालय का अवलोकन कर क्षेत्र के विकास हेतु खूब - खूब आशीर्वाद दिया ।

वेद ज्ञान

जिंदगी में सद्गुण होना जरूरी

हर एक इंसान समझता है कि जो वह कर रहा है, वह सबसे अच्छा है। वह जैसी जिंदगी जी रहा है, उससे अच्छा कुछ नहीं हो सकता। कई बार हम यह भूल जाते हैं कि सद्गुणों का जिंदगी में होना बहुत जरूरी है। इंसान यह भूल जाता है कि जब उसके अंदर घमंड पैदा हो जाता है तो फिर उसके कदम उसे प्रभु से दूर ले जाते हैं। अनेक बार प्रभु की खोज में लगे हुए लोगों के मन में भी घमंड आ जाता है। हम ऐसी जिंदगी जिएं, जो नम्रता से भरपूर हो। कुछ लोगों को अपने आप पर बड़ा घमंड होता है, उन्हें लगता है कि उनके कारण ही सब कुछ हो रहा है। वे सोचते हैं कि मैं बहुत अच्छा हूं, मैं बहुत पढ़-लिख गया हूं, मैंने बहुत पैसे कमा लिए हैं, मेरा बहुत बोलबाला है। अपने अहंकार को काबू में न रखा जाए तो फिर इंसान सच्चाई की जिंदगी नहीं जी पाता, क्योंकि जहां पर घमंड आ जाता है, वहां पर आदमी बढ़-चढ़कर बातें करना शुरू कर देता है, वह सच्चाई को भी बदल देता है। झूठी चीज को भी ऐसे दिखाएगा जैसे वह सच्ची हो। उसकी जिंदगी सच्चाई से दूर होनी शुरू हो जाती है। इंसान अहंकार में सच्चाई से बहुत दूर चला जाता है। अहंकार के कारण ही इंसान को गुस्सा भी आता है। हम यह न सोचें कि सारे गुण जरूरी नहीं हैं। अधूरे और अनियमित विकास से हम अपनी मंजिल तक नहीं पहुंच सकते। हमें काम, क्रोध, लोभ, मोह, और अहंकार को काबू में करना है और एक संतुलित व स्थिर जिंदगी जीनी है। वह स्थिरता हमें तब मिलती है जब हम अंदर (अंतस) की दुनिया की ओर कदम उठाते हैं। स्थिरता हमें तब मिलती है, जब हम प्रभु की नजदीकी पाते हैं। इंसान को शांति तब मिलती है, उसकी जिंदगी में हलचल तब कम होती है, जब वह अंतर्मन में प्रभु की ज्योति का अनुभव करता है। सब कुछ हमारे अंदर है, लेकिन इंसान का ध्यान बाहर की ओर है। अगर हम अपना ध्यान अंदर की ओर करेंगे तो हम असलियत को जान जाएंगे।

संपादकीय

चुनाव आयुक्तों का चयन स्वतंत्र और निष्पक्ष होना चाहिए

सर्वोच्च न्यायालय ने बिल्कुल सही कहा है कि वह इस मुकाम पर चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति संबंधी कानून पर रोक नहीं लगा सकता, क्योंकि इससे अराजकता पैदा हो जाएगी। दो चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति के दूसरे ही दिन चुनाव तिथियों की घोषणा हुई है और अब नियुक्ति संबंधी कोई भी विवाद चुनाव प्रक्रिया ही नहीं, पूरी राजनीति को जटिल बना सकता है। अतः अदालत ने कोई जल्दी न दिखाते हुए मामले की अगली सुनवाई 5 अगस्त

को करने का फैसला किया है, तब तक नई सरकार अपना काम शुरू कर चुकी होगी। दरअसल, विवाद इस बात पर है कि नए कानून के तहत चुनाव आयुक्तों के चयन से प्रधान न्यायाधीश को अलग कर दिया गया है, उनकी जगह एक केंद्रीय मंत्री चयन समिति में शामिल किए गए हैं। चुनाव आयोग में दोनों नई नियुक्तियां प्रधान न्यायाधीश की मर्जी के बिना हुई हैं। यह उचित है या नहीं, इस पर अंतिम फैसला गौरतलब होगा। फिलहाल सर्वोच्च न्यायालय का रुख सरकार के अनुरूप ही है। आयुक्तों के चयन के संबंध में निश्चित कानून की कमी थी और अब जब सरकार ने कानून बना लिया है, तब इस कानून पर किसी भी तरह से सवाल उठाना सही नहीं है। हां, इस चयन प्रक्रिया के गुण-दोष पर न्यायालय विचार कर सकता है और यही कोशिश दिख रही है। न्यायालय को यह भी लगा है कि चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति के लिए चयन समिति को उम्मीदवारों की पृष्ठभूमि को समझने के लिए उचित समय दिया जाना चाहिए था। लोग चुनाव प्रक्रिया शुरू हो अभी भूले नहीं है कि चयन में जल्दबाजी को लेकर चयन समिति के एक सदस्य कांग्रेस नेता अधीर रंजन चौधरी ने भी कड़ी आपत्ति जताई थी। चुनाव आयुक्तों की जल्द नियुक्ति जरूरी थी, लेकिन चयन की प्रक्रिया को लेकर कम से कम किसी सदस्य में असंतोष का भाव नहीं होना चाहिए। यह कोई नहीं चाहेगा कि कोई अयोग्य अधिकारी चुनाव आयुक्त नियुक्त हो, अतः आगे सावधानी बरतने की जरूरत है। न्यायमूर्ति संजीव खन्ना, दीपांकर दत्ता और ऑगस्टीन जॉर्ज मसीह की पीठ ने आयुक्तों की नियुक्ति को चुनौती देने वाली याचिकाओं को खारिज कर दिया है, मगर चयन में बरती गई कमियों की ओर इशारा भी कर दिया है और केंद्र सरकार से जवाब भी मांगा है। चयन में ज्यादा पारदर्शिता और चयन समिति की बैठकों को गंभीरता से लेने की जरूरत है, ताकि किसी तरह की शिकायत की गुंजाइश न रहे। अदालत ने दोहराया है कि चुनाव आयुक्तों का चयन स्वतंत्र और निष्पक्ष होना चाहिए। आयुक्तों की पहचान उनके फैसलों के कारण ही होती है। यदि आयुक्त अपने फैसलों से निष्पक्ष चुनाव के पक्षधर दिखते हैं, तो इससे लोगों को खुशी भी होती है और देश में अच्छी राजनीति को बल भी मिलता है। इधर के दिनों में चुनाव आयोग पर लगातार उंगलियां उठाई जाती रही हैं। विशेष रूप से विपक्षी नेताओं को आयोग से बड़ी उम्मीद है। जिन आयुक्तों के चयन को चुनौती दी गई है, उनके लिए भी यह खुद को साबित करने का मौका है।

-राकेश जैन गोदिका

परिदृश्य

कैसी खुशहाली

विश्व खुशहाली रिपोर्ट में भारत की रैंकिंग का 126वें स्थान पर कायम रहना हमारे लिए विचारणीय और प्रेरक होना चाहिए। विदेशी विद्वान अपने पैमाने पर खुशहाली की गणना करते हैं और जिसमें भारत जैसे विशाल देश की चुनौतियां बेशक भारी पड़ती होंगी। ऐसी स्थिति से निराश तो कतई नहीं होना चाहिए, बल्कि प्रेरणा के सूत्र जरूर तलाशने चाहिए। खैर, अर्थशास्त्री जॉन एफ हेलिवेल, रिचर्ड लेयर्ड, जेफरी सैक्स, जान इमैनुएल डी नेवे, लारा बी अकनिन और शुन वांग द्वारा प्रकाशित विश्व खुशहाली रिपोर्ट में नॉर्डिक देशों ने फिर शीर्ष स्थान हासिल किया है, इसमें किसी को आश्चर्य नहीं है। फिनलैंड को दुनिया का सबसे खुशहाल देश करार दिया गया है, पर गौर कीजिए, वहां आबादी सिर्फ 56 लाख है। मतलब, इस देश की चुनौतियां बहुत कम हैं। धार्मिक समीकरण ऐसा है कि विद्वेष की ज्यादा गुंजाइश नहीं है। सरकारों को किसी समस्या को सुलझाने में ज्यादा समय नहीं लगता है। अतः फिनलैंड की स्थिति अच्छी है, पर उसकी तुलना भारत जैसे देश से कैसे हो सकती है? यह बहस का विषय है।\ल्लसंयुक्त राष्ट्र द्वारा प्रायोजित इस वार्षिक रिपोर्ट में नॉर्डिक देशों ने 10 सबसे खुशहाल देशों में अपना स्थान बनाए रखा है। फिनलैंड के बाद डेनमार्क, आइसलैंड, स्वीडन ने शीर्ष स्थान हासिल किए हैं। इन सभी देशों में समाज काफी सुलझा हुआ है और विविधता वहां ज्यादा समस्याएं पैदा नहीं करती है। देखने की बात है कि खुशहाली की रिपोर्ट विगत एक दशक से भी ज्यादा समय से जारी हो रही है और पहली बार अमेरिका और जर्मनी जैसे विकसित देशों को शीर्ष 20 देशों में स्थान नहीं मिला है। अमेरिका 23वें और जर्मनी 24वें स्थान पर लुढ़क गया है। हालांकि, यह विडंबना ही है कि धार्मिक पाबंदियों वाला कुवैत दुनिया का 13वां सबसे खुशहाल देश है। ऐसी अतार्किक सूची देखकर अफसोस भी होता है और चिंता भी होती है। क्या खुशहाली को धार्मिक और सामाजिक स्वतंत्रता के आधार पर ज्यादा नहीं देखा जाना चाहिए? खुशहाली को केवल आर्थिक समृद्धि और संसाधनों की अधिकता में घटाकर देखना सही नहीं है। \ल्लखुशहाली की रैंकिंग को देखकर कतई भ्रमित नहीं होना चाहिए। पाकिस्तान पिछली बार 108वें स्थान पर था, इस बार 122वें पर आ गया है, पर तब भी भारत से चार पायदान ऊपर है। जिस देश में खूब महंगाई है, जहां धार्मिक आजादी सीमित है, वह देश भी अगर हमसे खुशहाल है, तो ऐसी खुशहाली का अध्ययन होना चाहिए। लगे हाथ यह भी चर्चा होनी चाहिए कि पाकिस्तान ने जिस देश की सत्ता में सांप्रदायिक कट्टरपंथी जमात तालिबान का इस्तकबाल किया था, वह अफगानिस्तान खुशहाली की सूची में सबसे नीचे 143वें स्थान पर है। अफगानिस्तान की ऐसी खुशहाली में पाकिस्तान को अपना चेहरा जरूर देखना चाहिए। एक और विडंबना देखिए, निर्मम युद्ध लड़ रहा इजरायल पांचवां सबसे खुशहाल देश है! पीड़ित फलस्तीन 103वें स्थान पर है, तो रूस 72वें स्थान पर और यूक्रेन 105वें स्थान पर। ये देश युद्ध के बावजूद भारत से ज्यादा खुशहाल हैं। पता नहीं, इस रैंकिंग पर कितना भरोसा किया जाए? जहां तक भारत का सवाल है, खुशहाली के सभी पैमानों पर हमें अपने प्रयास बढ़ाने की जरूरत है। भारतीयों के बीच संतोष के भाव, प्रति व्यक्ति सकल घरेलू उत्पाद, सामाजिक सहयोग, जीवन प्रत्याशा, स्वतंत्रता, उदारता के भाव में विस्तार जारी रहना चाहिए।

अन्तर्मना आचार्य श्री प्रसन्न सागर जी के प्रवचन से

कार्य की समाप्ति यदि सन्तोषजनक हो तो..
परिश्रम की थकान खुशी में बदल जाती है..!

इन्सान में चाहे कितने ही गुण क्यों ना हो - जब तक वह समय की कद्र करना नहीं सीखता, तब तक वह समय का मूल्य नहीं समझ सकता। समय का दुरूपयोग करने वालों को, कभी सुअवसर प्राप्त नहीं होते। संसार में सबके हिस्से में यदि बराबर कुछ आया है तो वह है समय। जिसका सबसे ज्यादा अपव्यय यदि कोई करता है तो वह है मनुष्य। ऐसे कितने मनुष्य हैं जो इस बात से वाकिफ है कि हमनें समय का कितना सदुपयोग किया और कितना दुरूपयोग- ? यदि आप अपने समय का हिसाब लगायें तो केवल लज्जित, शर्मिन्दगी और दुःखी के अलावा आपके पास कुछ भी नहीं बचेगा। जिस समय हम समय को अनावश्यक बर्बाद करते हैं, उसी समय में हम अच्छे प्रयत्न करके, कुछ अच्छा प्राप्त भी कर सकते हैं जो मनुष्य अपने जीवन में कुछ पाना चाहते हैं, या कुछ बनना चाहते हैं, या कुछ होना चाहते हैं, उसे इस बात को अपने जहन में रखना होगा कि समय ही मेरा असली धन है और इसी से हम लाभ ही लाभ उठा सकते हैं...। **-नरेंद्र अजमेरा, पियुष कासलीवाल औरंगाबाद।**

कृष्ण कुमार जैन आयोग मित्र नियुक्त

नीमच. शाबाश इंडिया

मध्य प्रदेश मानव अधिकार आयोग ने डॉक्टर कृष्ण कुमार जैन को नीमच जिले के भौगोलिक क्षेत्र के लिए आगामी 2 वर्षों के लिए आयोग मित्र मनोनीत किया है'

मध्य प्रदेश मानव अधिकार आयोग के शोध अधिकारी संजय कुमार विश्वकर्मा द्वारा भोपाल से 19 मार्च को जारी पत्र में यह जानकारी दी गई है' आयोग द्वारा लिए गए निर्णय के अनुसार जैन को आयोग मित्र के रूप में नामांकित करते हुए मानव अधिकारों के संवर्धन और संरक्षण के लिए अपनी दक्षता व योग्यता के आधार पर निस्वार्थ मानसेवी सेवाएं देते हुए अपने उत्तरदायित्वों का निर्वहन करने की अपेक्षा व्यक्त की है। आयोग द्वारा जिला कलेक्टर महोदय एवं जिला पुलिस अधीक्षक महोदय को भी मानोनयन पत्र की प्रतिलिपि भेजकर इस जानकारी से अवगत कराया गया है।

राष्ट्रीय कवि संगम इकाई और यादव समाज सेवा समिति के तत्वावधान में होली मिलन समारोह का आयोजन

मुंगेली. शाबाश इंडिया

राष्ट्रीय कवि संगम इकाई और यादव समाज सेवा, कला, संस्कृति एवं साहित्य उन्नयन समिति मुंगेली, छत्तीसगढ़ के संयुक्त तत्वावधान में दिनाँक 21 मार्च 2024 को ऑनलाइन होली मिलन समारोह भव्य काव्य गोष्ठी आयोजित की गई। सर्वप्रथम विद्या की देवी माँ सरस्वती की वंदना हंसदेव बाँधड़े हंस बंधु मुंगेली ने प्रस्तुत किये। मंच संचालन का कार्य अनिल जायसवाल बिलासपुर ने किये। इस समारोह की अध्यक्षता अध्यक्ष अशोक कुमार यादव के द्वारा किया गया। आमंत्रित कवि एवं कवयित्रियाँ- सुरेश कुमार बन्छोर पाटन भिलाई, पालेश्वर साहू बिलासपुर, रश्मि अग्रवाल बिलासपुर, ललिता यादव बिलासपुर, ओ. पी. कौशिक रतनपुरिहा पेंड्रा, सागर केशरवानी नवागाँव घुठेरा मुंगेली, विनोद कुमार यादव मुक्ता चन्दरपुर, रतन किर्तनिया पंखाजूर कांकेर, अनिल जाँगड़े सरगाँव मुंगेली, पुहुप राम पुष्पराज निषाद मोपर बलौदाबाजार, लोकेश कुमार साहू प्रतापपुर मुंगेली, मुकेश कुमार सोनकर भाठागाँव रायपुर, बलराम यादव देवरा मध्यप्रदेश, रामा साहू संयम मुंगेली और रामभरोस यादव जमकोर मुंगेली सहित सभी साहित्यकारों ने होली रंगों का त्यौहार, जोगीरा सरा ररा, ब्रज में होली खेले कान्हा, फागुन मनभावन लागे, होली आई प्रेम का रंग लाई और उड़त हे रंग गुलाल शीर्षक के तहत हिंदी एवं छत्तीसगढ़ी एक से बढ़कर एक कविता प्रस्तुत की। आभार प्रदर्शन अध्यक्ष अशोक कुमार यादव ने किये।

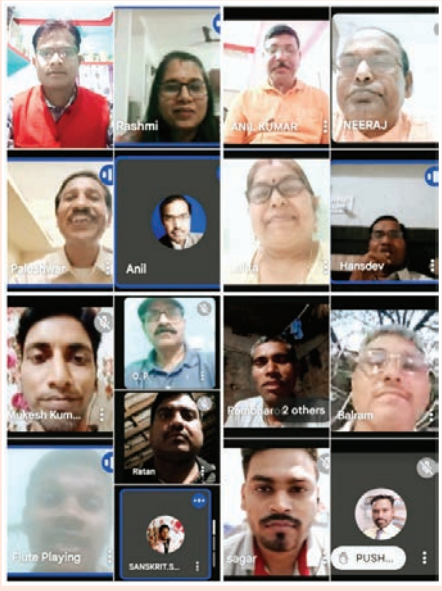

सम्पन्नता के शिखर पर है आज भारतीय रंगमंचः राहुल भूचर

विश्व रंगमंच सप्ताह में पढ़िए रंगमंच से जुड़े ऐसे कलाकारों की कहानी, जिनसे समृद्ध हो रहा है भारतीय रंगमंच

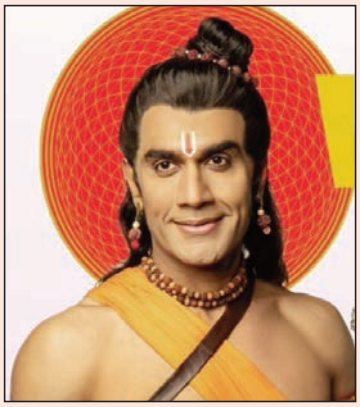

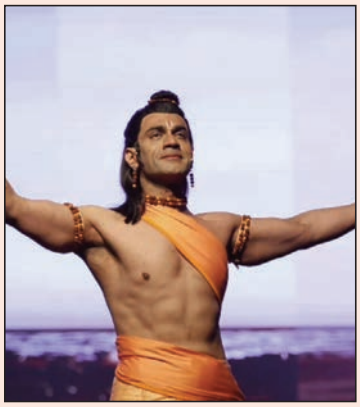

उदयपुर. शाबाश इंडिया

''थिएटर एक्टर'' शब्द सुनते ही अक्सर हमारे जहन में जींस के ऊपर खादी का कुर्ता पहने, कंधे पर स्क्रिप्टों से भरा झोला लटकाए, बढ़ी दाढ़ी वाले किसी शख़्स का चेहरा उभर आता है। जिसके पास हुनर तो खूब है, मगर पैसे नहीं हैं। जो अपनी जेब से खर्च करके लोगों के लिए नाटक करता है और अगले दिन अखबार में छपी कतरनों को बरसों सम्भाल के रखता है। इस उम्मीद से कि शायद ये कतरने कोई सरकारी अनुदान दिलाने में सहायक हों। लेकिन गुज़रते वक्त के साथ ये तस्वीर अब बदल गई है। आज के रंगमंच का अभिनेता अपने नाटक के लिए दर्शकों का इंतजार नहीं करता, बल्कि सुधी दर्शक, महंगा टिकिट खरीद उसके शो का इंतजार करते हैं और इसका श्रेय जाता है कुछ ऐसे जुनूनी लोगों को जिन्होंने कला और कलाकार के स्तर ऊँचा उठाने के अपना सब कुछ दाँव पर लगा दिया तथा रंगमंच को गुरबत की गहराइयों के निकाल कर, सम्पन्नता के सर्वोच्च शिखर पर पहुँचा दिया। हृदय से रंगमंच को समर्पित उन्हीं दिग्गज अभिनेताओं में से एक हैं- राहुल भूचर। रामायण पर आधारित नाटक, 'हमारे राम' में प्रभु श्री राम की मुख्य भूमिका निभाने वाले राहुल का मानना है कि रंगमंच उनकी रगों में रक्त की भान्ति प्रवाहित हो रहा है। शायद इसीलिए वे एक कन्सट्रक्टर से, रंगमंच के फेमस कैरेक्टर बन गए। 'फेलिस्टी थिएटर' नाम से अपना ग्रुप चलाने वाले राहुल अब तक मंच पर 1300 से भी अधिक शोज कर चुके हैं। रंगकर्मियों के जीवन में ऐसा कम ही होता है, जब माता सरस्वती के साथ लक्ष्मी मैया की कृपा भी निरंतर प्राप्त हो। लेकिन 'फेलिस्टी थिएटर' ग्रुप में काम करने वाला हर एक्टर इतना कमा लेता है कि उसे कहीं और काम करने की जरूरत ही नहीं पड़ती। दूरदर्शी अभिनेता राहुल ने अपने नाटकों की कास्टिंग में पुनीत इस्सर, राकेश बेदी, सौरभ शुक्ला और आशुतोष राणा जैसे बड़े नामों को शामिल कर, उनकी भव्यता को और बढ़ा दिया, जिसकी वजह से महाभारत, हमारे राम, बर्फ, पत्ते खुल गए और जब वी सैपरेट जैसे नाटकों को देखने के लोग उमड़ पड़े और देशभर में एडवांस बुकिंग होने लगी। बिना किसी सरकारी सहायता के, निरंतर अपने प्रयासों रंगमंच को समृद्ध कर रहे राहुल के नाटकों की चर्चा विदेशों तक है। रंगमंच व रंगकर्मियों के जीवन को खूबसूरत रंगों से भरने वाले इस ह्यरंगरेजह्व को इनके आगामी नाटकों के लिए तमाम सरस्वती पुत्रों की ओर से अग्रिम शुभकामनाएँ।

ओमपाल सीलन,
फिल्म पत्रकार एवं समीक्षक,
उदयपुर।

41वें गुणीजन संगीत समारोह में होगा सुर, लय और ताल का संगम

श्याम सुन्दर शर्मा ध्रुवपद गायन और श्वेता गर्ग देंगी कथक की प्रस्तुति, 27 मार्च को प्रेस क्लब सभागार शाम 6.30 बजे से होगा समारोह

जयपुर. शाबाश इंडिया। संगीत गुरू पं. गोकुल चंद्र राव की स्मृति में 27 मार्च को संगीतज्ञ पं. गोकुल चंद राव की स्मृति में 41वां गुणीजन संगीत एवं सम्मान समारोह आयोजित किया जाएगा। सबरंग संस्था की ओर से आयोजित होने वाले इस समारोह में ध्रुवपद गायन और कथक नृत्य की प्रस्तुति के साथ कलाकारों और सांस्कृतिक पत्रकारों का सम्मान भी किया जाएगा। सबरंग के सचिव पं. राजेन्द्र रॉव ने बताया कि समारोह 27 मार्च को शाम 6.30 बजे से पिंकसिटी प्रेस क्लब ऑडिटोरियम में आयोजित किया जाएगा। इस दिन डॉ.श्याम सुन्दर शर्मा का ध्रुवपद गायन और डॉ. श्वेता गर्ग और उनकी शिष्य मंडली कथक नृत्य की प्रस्तुति देंगी। इस मौके पर सांस्कृतिक लेखन में उल्लेखनीय योगदान देने के लिए पत्रकार विजय सिंह को पें. गोकुल चंद राव कला लेखन पुरस्कार से नवाजा जाएगा। इसके साथ ही डॉ.श्वेता गर्ग के कथक के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान देने के लिए पं. गोकुल चंद राव कला अवार्ड से सम्मानित किया जाएगा। उत्तर पश्चिम रेलवे की मुख्य जन संपर्क अधिकारी कैप्टन शशि किरण समारोह के मुख्य अतिथि होंगे एवं शिक्षाविद् देवनारायण जैमन कार्यक्रम की अध्यक्षता करेंगे , मोती डूंगरी मंदिर प्रन्यास के महंत कैलाश चंद शर्मा, जाने-माने वैदिक चित्रकार रामू रामदेव और समाज सेवी कुंदन पठानी विशिष्ट अतिथि होंगे।

विश्व वानिकी दिवस मनाया गया

सुधीर शर्मा. शाबाश इंडिया

सीकर। विश्व वानिकी दिवस या अंतरराष्ट्रीय वन दिवस हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी ऑक्सीजन जन आंदोलन एक व्यक्ति एक पेड़ अभियान के संयोजक एवं सदस्यों द्वारा दानवीर मार्ग डूंडलोद सांखू सड़क किनारे वृक्षारोपण करके मनाया गया। यह दिवस संयुक्त राष्ट्र महासभा के संकल्प द्वारा पारित प्रस्ताव के अनुसार 2012 से लगातार मनाया जा रहा है । पूरे विश्व में पेड़ पौधों को सरक्षित करने के लिए वानिकी दिवस मनाया जाता है। इस दिवस पर सभी लोगों को वनों एवं पेड़ पौधों के महत्व के बारे में बताया जाता है। तरह-तरह के कार्यक्रम आयोजित करके उन्हें पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूक किया जाता है ।पेड़ पौधों को काटने से रोकने और नए पौधे लगाने के लिए प्रेरित किया जाता है ।प्रतिवर्ष विश्व वानिकी दिवस एक नई थीम के साथ मनाया जाता है। पिछले वर्ष 2023 में वन और स्वास्थ्य था । इस साल विश्व वानिकी दिवस की थीम फॉरेस्ट एवं इनोवेशन रखी गई है। जिसका हिंदी अनुवाद है वन एवं नवीनीकरण । आज का वृक्षारोपण कार्यक्रम बाल वर्ष मित्र निधिका कुमारी जाखड़ एवं ऑक्सीजन जन आंदोलन के संयोजन वृक्ष मित्र श्रवण कुमार जाखड़ सांखू के नेतृत्व में किया गया।

जैन इंजीनियर्स सोसायटी जयपुर साउथ चैप्टर का दल 8 दिवसीय श्रीलंका यात्रा से वापस लौटा

जयपुर. शाबाश इंडिया। जैन इंजीनियर्स सोसायटी जयपुर साउथ चैप्टर का 40 सदस्यीय दल श्री लंका के 8 दिवसीय भ्रमण से दिनांक 21 मार्च, 2024 को जयपुर वापस लौट आया । इंजी. पी सी छाबड़ा के नेतृत्व में दल ने दिनांक 14 मार्च, 2024 को जयपुर से रवाना होकर कोलम्बो, दाम्बूला, त्रिकोमल्लई, केन्डी, सिगरीया, मटाला, पिन्नावाला, नुवारा इलिया, बेन्टोटा एवं आस पास के पर्यटन, धार्मिक व ऐतिहासिक स्थलों का भ्रमण किया ।प्रत्येक दिन भ्रमण का प्रारम्भ णमोकार मंत्र के जाप एवं दर्शन पाठ, मेरी भावना इत्यादि के वाचन तथा समापन आरती व भजन के साथ किया गया ।भ्रमण दल में चैप्टर के इंजी. अरुण जैन, इंजी. राकेश बगड़ा, इंजी. डी एम जैन, इंजी. माणिक जैन, इंजी. सी आर गोधा, इंजी. रवि मेहता, इंजी. सुबोध जैन, इंजी. सुभाष कासलीवाल सहित अन्य सदस्य सम्मिलित थे । दल ने श्री लंका प्रवास के दौरान पर्यटन के साथ साथ ''भगवान महावीर की जय उदघोषणा के साथ जीयो और जीने दो'' का संदेश भी जन जन में प्रसारित किया ।

श्री टोडरमल स्मारक भवन बापूनगर में श्री सिद्ध चक्र विधान मंडल का आयोजन

जयपुर. शाबाश इंडिया। श्री टोडरमल स्मारक भवन बापूनगर में श्री सिद्ध चक्र विधान मंडल का आयोजन प्रातः 7:00 बजे से 10:00 बजे तक चल रहा है। बापू नगर की दिगंबर जैन महासमिति पश्चिम संभाग की सी इकाई के अध्यक्ष एवं विधान के मुख्य समन्वयक हीराचंद वेद तथा महिला मंडल की अध्यक्ष श्रीमती सुशीला जी जैन अलवर वाले ने अवगत कराया कि इस अवसर पर आज दिनांक 21 मार्च 2024 को दिगंबर जैन महा समिति के सुरेंद्र कुमार जैन पांड्या, राष्ट्रीय महामंत्री, अनिल जैन आईपीएस, राजस्थान अंचल अध्यक्ष, महावीर बाकलीवाल, राजस्थान अंचल महामंत्री, डॉ. णमोकार जैन राजस्थान अंचल कार्याध्यक्ष की भी गरिमामयी उपस्थिति रही।

पांच दिवसीय धार्मिक व नैतिक संस्कार शिविर का हुआ समापन

अमित गोधा. शाबाश इंडिया

ब्यावर। ओजस्वी वक्ता संघ नायक परम पूज्य प्रियदर्शन मुनि जी म.सा. की पावन प्रेरणा से प्राज्ञ जैन युवा मंडल ब्यावर के तत्वावधान में आयोजित पांच दिवसीय धार्मिक एवं नैतिक संस्कार शिविर का समापन समारोह आज दिनांक 21.03.2024 को बरेली स्थानक में हुआ। उक्त शिविर में छः वर्ष से अधिक आयु के लगभग 325 बच्चों ने जैन धर्म के मूल सिद्धान्तों के साथ ही जीवन के लिए आवश्यक नैतिक शिक्षा संस्कारों का अध्ययन किया। समापन के इस अवसर पर पूज्य गुरुदेव श्री ने बच्चों को संबोधित करते हुए उनको जीवन में नैतिकता एवं जैन धर्म के सिद्धांतों का अपनाने व उस पर अडिग रहने का उपदेश दिया। इस अवसर पर प्राज्ञ जैन युवा मंडल के संरक्षक बाबूलाल नावेडा ने उपस्थित सभी आगुन्तको का स्वागत किया तथा आर्थिक सहयोगियों का आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम में प्राज्ञ मित्र समिति के संरक्षक पुखराज बोहरा, अध्यक्ष रतनलाल भंसाली, महामंत्री महावीर चंद भंडारी, कोषाध्यक्ष अशोक खींचा, वीर संघ से मंत्री पदमचंद बम्ब, प्रकाशचंद मेहता, प्राज्ञ महिला मंडल से सरिता कुमठ, शांता डांगी, मोनिका चोरडिया, अमिता नाहटा आदि उपस्थित रहे।

आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं ने पोषण और मतदान के प्रति किया जागरूक

रत्नेश जैन रागी.शाबाश इंडिया

बकस्वाहा। यहां के वार्ड क्रमांक एक गांधी चबूतरा पर बार्ड क्रमांक 1, 2, 3, 7, 13, 14, 15 की आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं ने संयुक्त रूप से पोषण पखवाड़ा के अंतर्गत सभा एवं रैली का आयोजन किया, जिसमें पोषण के प्रति जागरूक करने की चर्चा की गई तथा मतदान और लोकतंत्र के महत्व को बताते हुए मतदान के लिए प्रेरित किया एवं शपथ दिलाई गई। महिला एवं बाल विकास विभाग के पोषण पखवाड़ा के अंतर्गत पर्यावरण एवं स्वच्छता पर पेड़ पौधा लगाने, बिजली की बचत करने, जल संचय करने, डीजल पेट्रोल कम उपयोग करने, पर्यावरण को स्वच्छ बनाएं रखने आदि विभिन्न गतिविधियों के संबंध में चर्चा की गई । इस मौके पर टीकाकरण ,एनआरसी भर्ती, लाडली लक्ष्मी, प्रधानमंत्री मातृ वंदना, जननी सुरक्षा, प्रसूति सहायता, लाडली बहना आदि अनेक सरकारी योजनाओं के बारे में भी जानकारी प्रदान कर जागरूक किया गया। इस आयोजन में मतदान और लोकतंत्र के संबंध में चर्चा कर मतदान करने हेतु शपथ दिलाई गईं और मतदाता जागरूकता रैली निकाली गई। कार्यक्रम में आंगनबाड़ी कार्यकर्ता श्रीमती शकुन जैन, साहीन खान, सीमा विश्वकर्मा, सुनीता जैन, राजकुमारी खटीक, काजल वाल्मीकि, मिथलेश अहिरवार सहित इन बार्डों की आंगनबाड़ी सहायिका, गर्भवती, धात्री महिला, किशोरी बालिका, बच्चों के अलावा उर्मिला,सरोज, रानी,मेमबाई काजल, कंचन, रुपाली, शिवांगी,विकाशा और बार्डवासी उपस्थित रहे।

आपके विचार

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक राकेश जैन गोदिका द्वारा प्रकाशित दैनिक-ईपेपर 'शाबाश इंडिया' आम पाठक और समाज में जागरूकता फैलाने में सेतू का काम कर रहा है। आप अपने क्षेत्र के समाचार, आलेख, विचार आदि ई-मेल कर सकते हैं या निम्न नंबरों पर वाट्सअप कर सकते हैं।

सम्पादकः राकेश जैन गोदिका
@ 94140 78380, 92140 78380

दैनिक ई-पेपर
शाबाश इंडिया
shabaasindia@gmail.com
weeklyshabaas@gmail.com

सद्भावना एवं समरूपता का पर्व है 'होली'

होली हमारी भारतीय संस्कृति का एक प्रमुख त्यौहार है जो बसंत ऋतु में तब मनाया जाता है जब प्रकृति पूर्ण यौवन पर होती है तथा अपना संपूर्ण श्रृंगार कर लेती है ' चारों ओर विविध रंगों के पुष्प सुशोभित होते हैं ' पेड़ों पर नई कोप्पले आती है ' प्रकृति में चाहूं और हरियाली की नवीनता, फूलों की सुगंधित' रहती है ' होली के समय मौसम सुहाना हो जाता है ' किसान अपनी फसलों को काटते हैं, नई फसल की अगवानी में खुशियां मनाते हैं तथा अपने समस्त दुखों को भूलकर प्रकृति की अनुपम छटा के साथ एवं रंगों के साथ उल्लासित हो जाते हैं ' होली के इस उत्सव पर जाति संप्रदाय का कोई भेद नहीं रह जाता, सभी मिलजुल कर होली खेलते हैं ' होली के दिन उच- नीच, अमीर- गरीब का कोई भेद नहीं किया जाता, सभी को समानता के रंगों में रंगने के लिए यह त्यौहार मनाया जाता है ' सुप्रसिद्ध मुस्लिम पर्यटक अलबरूनी ने अपने ऐतिहासिक यात्रा संस्मरण में होली का उत्सव जैसे पवित्र त्यौहार का वर्णन किया है ' भारत के अनेक मुस्लिम कवियों ने अपनी रचनाओं में इस बात का उल्लेख किया है कि यह पर्व केवल हिंदू ही नहीं अपितु मुसलमान लोग भी मानते हैं इसका सबसे बड़ा प्रमाण मुगल काल की भी तस्वीरें हैं जिनमें सभी धर्म के लोग एक साथ मिलकर होली खेलते दर्शाए गए हैं ' इन तस्वीरों में अकबर को जोधा बाई के साथ तथा शाहजहां को नूरजहां के साथ होली खेलते हुए दिखाया गया है ' इतिहास में वर्णन आता है कि शाहजहां के जमाने में होली को ईद -ए - गुलाबी या आब -ए- पासी अर्थात रंगों की

बौछार कहा जाता था ' अंतिम मुगल बादशाह जफर के बारे में प्रसिद्ध है कि मुस्लिम भाई एक दूसरे को गुलाल अबीर लगाकर इस होली उत्सव को सामूहिक रूप से मानते थे '

होली में रंगों को खेलने की परंपरा के पीछे उद्देश्य यह है कि व्यक्ति का जीवन विविध रंगों की सुंदरता से खिल उठे, जीवन में निरस्ता , निराशा, कुंठा, क्रोध आदि मनोभाव का शमन हो और उसके जीवन में उत्साह ,उमंग, साहस ,शौर्य, पराक्रम ,प्रसन्नता एवं शांति का रंग चढ़े ' होली का त्योहार पाप पर धर्म की विजई है ' असत्य पर सत्य की विजई है ' प्रहलाद और होली का इसी के प्रतीक है '

जैन धर्म में होली का आध्यात्मिक महत्व है ' अहिंसा प्रधान धर्म के पालन हेतु तथा संयम आराधना हेतु साधु साध्वी भी स्थिर्वास में रहते हैं, इसलिए इसे होली चातुर्मास के नाम से भी जानते हैं ' शास्त्रों के अनुसार होली जालना एवं होली खेलने को हिंसा का कारण बताया है ' होली जलाने में अग्नि के जीव, वायु के जीव, पानी एवं रंगों के साथ होली खेलने से अप्पकाए, वनस्पतिकाय के जीवो की हिंसा होती है तथा मौज, मस्ती, मनोरंजन हेतु किए गए नाच- गाने ,नशे का सेवन आदि से रगात्मक विकार पैदा होते हैं, जिससे कर्मों का बंद होता है ' जैन धर्म का मूल सिद्धांत पुराने कर्मों को घटना तथा नए कर्मों का बंधन नहीं करना एवं अहिंसा का पालन करना बताया है' अपनी आत्मा को शुद्ध एवं पवित्र बनानी है तो कर्मों की होली जलाओ, कर्मों की निर्जरा करो ' ज्ञान की गुलाल लगाओ , विवेक की पिचकारी से संयम का रंग बरसाओ , पानी से नहीं वरन जिनवाणी से सबको नहलाओ यही सच्ची होली है ' किसी के कीचड़ मत लगाओ लेकिन उसे पाप के कीचड़ से जरूर बचाओ ' रंग में रंगना है तो धर्म के रंग में रमन करो और अपना भवसागर पार करो '

अतः होली प्रेम एवं सद्भावना का पर्व है ' इसे सद्भावना के रूप में ही मनाएं और कहा भी गया है :-

सतरंगी होली काहे, करो ने मुझे करो ना मुझे बदरंग '
ज बदरंग मैं हो गई हो गई तो, डालू रंग में भग ''
इंद्रधनुष रंग होली के, होली प्रेम को रंग '
प्रेम रंग में ऐसे रमन ,जो मेहंदी को रंग ''
राग द्वेष देश की होली जले , जले मन के कसाई '
जलते जलते आत्मा पके कुंदन दे बनाई ''

अत स्पष्ट है होली सद्भावना का त्यौहार है लेकिन फिर भी इसे मनोवैज्ञानिक रूप से देखा जाए तो होली पर मन की दमित भावनाओं को बाहर निकलने का एक सुनहरा अवसर है ' होली का त्योहार अपनी प्रसन्नता को विविध रंगों के माध्यम से बिखेरने , सबसे मेलजोल बढ़ाने , दुर्भावनाओं को मिटाने का पर्व है ' होली की सद्भावना हमारे कोमल भावों को जाग्रत करती है ,जो हमारे सारे अहंकार को गला कर ,त्याग कर स्वजनों को रंग में सरोबार कर देती है' इंद्रधनुषी विविध रंगों की बौछार न केवल हमारे तन को गिला करती है बल्कि हृदय को आत्मा से जोड़ती है' होली पर एक दूसरे पर रंग लगाने का उद्देश्य अपनी पहचान के स्थान पर एकरूपता का होना है ' मनुष्य भले ही समाज में ,जाति-पाति में उच्च- नीच, कुल -धर्म, समानता -असमानता, रंग-भेद आदि से मनुष्य के बीच दीवारे खड़ी कर लेते हैं, लेकिन वास्तव में हम सभी इन सब से ऊपर मनुष्य ही है, परमात्मा की दृष्टि में हम हम में कोई भेदभाव नहीं है, हम सभी में इस परमात्मा का अंश रूप जीवात्मा मौजूद है ' भिन्नता है तो सिर्फ हमारे कर्मों में ,मनोवृतियों में ,दृष्टिकोण एवं विचारों में है यदि इन सब में भी परिष्कृति आ जाए तो हम मनुष्य किसी देव से कम नहीं रह जाते ' लेकिन देखने में आता है आजकल हमने सारी मयार्दाएं तोड़ दी है और हम बदले की भावना से होली खेलते हैं जिससे दुर्भावना हमारे बीच में आती है जबकि यह पर्व सद्भावना का है प्रेम का है उल्लास का है इसमें दुर्भावना कहीं नहीं आना चाहिए ' अनुशासित होकर, मर्यादित होकर एक दूसरे के साथ प्रेम पूर्वक होली का पर्व रंगों के साथ मनाना चाहिए इसी में पर्व मनाने की सार्थकता सिद्ध होती है।

नाटक का मतलब होता है....ना-अटक : हरलीन रेखी

विश्व रंगमंच सप्ताह की स्पेशल सीरीज में मिलिए 'हमारे राम' व 'सीता' से

उदयपुर. शाबाश इंडिया

गुज़रते वक्त की व्यस्तताओं के बीच हो सकता है आप थिएटर को छोड़ दें, लेकिन थिएटर आपको ताउम्र नहीं छोड़ता। ये कहना है तेरह वर्षों से थिएटर में पूर्ण रूप से सक्रिय अभिनेत्री हरलीन रेखी का। दिल्ली से थिएटर की शुरूआत करने वाली हरलीन की जड़ें मंडी हाउस से जुड़ी हैं। श्रीराम सेंटर से अभिनय की बारिकियाँ सीखकर मुम्बई आईं हरलीन रंगमंच एवं टेलिविजन में निरंतर कार्य कर रही हैं। उनका मानना है कि थिएटर एक एक्टर के जीवन में आमूल-चूल परिवर्तन लाता है। अगर आपको याद हो तो 80 के दशक में दूरदर्शन पर प्रसारित मशहूर धारावाहिक महाभारत को भारत के हर घर में बड़ी श्रद्धा से देखा जाता था। उसके बरसों बाद युवा अभिनेता एवं निमार्ता राहुल भूचर के प्रयासों से उसी महाभारत का नाट्य रूपातंरण किया गया, जिसमें द्रौपदी की मुख्य भूमिका निभाकर हरलीन ने उसे यादगार बना दिया। इतना ही नहीं रामायण पर आधारित नाटक हमारे राम में भी ये सीता का केन्द्रीय पात्र निभाकर आधुनिक थिएटर जगत की सुर्खियों में छाई हैं। हरलीन का मानना है कि नाटक का मतलब है- ना-अटक। यानि रंगमंच से जुड़ा व्यक्ति, चाहे जीवन हो या मंच, वो कहीं नहीं अटकता।

रंगमंच की इसी साधना के चलते अभिनेत्री होने के साथ-साथ आज ये एक कुशल कथक नृत्यांगना और वॉयस ओवर आर्टिस्ट भी हैं। एक तरफ वो जहां श्रीमद रामायण, अबे यार लग गई, द रेपिस्ट, एसपीरेन्ट्स और कामदेव जैसे प्रोजैक्ट्स के साथ ओटीटी और टैलिविजन की दुनिया में व्यस्त हैं तो वहीं दूसरी ओर वे थिएटर के मंझे हुए अदाकार आशुतोष राणा, पुनीत इस्सर और राकेश बेदी के साथ जब वी सेपरेटिड, हमारे राम और महाभारत जैसे नाटकों में काम करके अपनी अभिनय क्षमता को और अधिक तीक्ष्ण कर रही हैं। दर्जनों टीवी ऐड और अपने नाटकों के सैंकड़ों शोज के साथ देशभर में सीता, द्रौपदी एवं सोनी टीवी पर प्रसारित धारावाहिक श्रीमद् रामायण की मंदोदरी के रूप में पहचानी जाने वाली ये सशक्त अभिनेत्री मानती हैं कि रंगमंच इनका स्कूल है और टीवी इनका ऑफिस। रंगमंच के लिए हृदय से समर्पित इस बेहतरीन अदाकारा को इनकी आगामी वेब सीरीज रणनीति और हनीमून फोटोग्राफर के लिए अनंत शुभकामनाएँ...

तीर्थंकर ग्रुप की तीन दिवसीय यात्रा सम्पन्न

जयपुर. शाबाश इंडिया

दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप तीर्थंकर जयपुर के सदस्यों ने जयपुर से सांखणा, केशवरायपाटन, चांदखेडी, झालरापाटन, कोटा दादाबाडी, बिजोलिया,चवलेश्वर पार्वनाथ व स्वस्तिधाम जहाजपुर की यात्रा की।जयपुर के दुर्गापुरा जैन मंदिर से दर्शन कर सबसे पहले सांखणा पहुंचे।वंहां शान्तिनाथ भगवान की अतिशयकारी मूलनायक प्रतिमा के दर्शन कर सदस्य धन्य हो गये ।फिर केशवरायपाटन पहुंच कर मुनिसुव्रतनाथ भगवान की अतिप्राचीन मूलनायक व नवग्रह प्रतिमाओं व अन्य प्रतिमाओं के तीनों मंजिल में दर्शन किये व चांदखेडी के लिए रवाना हुये।वंहा राञी विश्राम किया फिर सुबह उठकर मंदिर जी में पहले प्रथमतल पर प्राचीन प्रतिमाओं के दर्शन कर दूसरी

मंजिल में तीन चोबीसी के दर्शन कर तीसरी मंजिल में निर्वाणकाण्ड में वर्णित भगवन्तों के दर्शन किए व साइड की चारों घुमटियों में विद्यमान बीस तीर्थंकरों के दर्शन कर नीचे भूतल में आदिनाथ भगवान की अतिशयकारी प्रतिमा के दर्शन के लिए पहुंचे। डां.एम.एल जैन ''मणि'' ने बोली लेकर वस्त्राभूषण पहनकर अभिषेक व शांतिधारा की वहां से झालरापाटन के नसिंयाजी के दर्शन कर फिर शांतिनाथ भगवान के विशाल मंदिर में बडी खडगासन शान्तिनाथ भगवान की मूर्ती के दर्शन कर चारों तरफ के दर्शन कर कोटा दादाबाडी मंदिर पहुंचे। वंहां तीनों मंजिल के दर्शन कर नीचे आदिनाथ भगवान की विशाल पदमासन मूर्ती के दर्शन कर कोटा सिटी भ्रमण को गये। वंहा सिटीपार्क व चम्बल रिवर फ्रंट में घूमने का आनन्द लिया फिर वंहा से बिजोलिया तीर्थ पहुंचे। कैलाश चन्द्र जैन रानीपुरा वालों ने बिजोलिया में बोली से अभिषेक व शांतिधारा की।सभी सदस्यों ने पार्वनाथ भगवान की 27फीट की विशाल पदमासन प्रतिमा व अन्य मंदिरों तथा गगनविहारी पार्वनाथ के दर्शन कर चवलेश्वर पहुंचे।वंहा पहाडी के दर्शन कर नीचे के मंदिर के दर्शन कर स्वस्तिधाम आ गये। यहां मुनिसुव्रतनाथ भगवान के व तीनों मंजिल की सभी रत्नों की प्रतिमाओं व अन्य मंदिर के दर्शन किये। अन्त में श्रीमति डां शान्ति जैन ''मणि'' ने सबका आभार व्यक्त किया।

संत और समाज एकदूसरे के पूरक होते है : रविन्द्र मुनि महाराज

भीलवाड़ा. शाबाश इंडिया

संत और समाज एकदूसरे के पूरक है और अधूरे है शुक्रवार को अहिंसा भवन शास्त्री नगर में मेवाड़ गौरव रविन्द्र मुनि महाराज ने आयोजित धर्मसभा को सम्बोधित करते हुए कहा कि समाज से ही संत का आगमन होता है और समाज को आगे बढ़ाने मे संत महत्वपूर्ण भूमिका निभाते है। समाज को जितनी संतो की जरूरत है उतनी ही संतो को समाज की जरूरत है समाज जहां संत के धर्म साहायक बनते है वही संत अज्ञान से ज्ञान का मार्ग दिखाकर मानव कल्याण का मार्ग दिखाते है। पंडित रत्न रितेश मुनि ने कहा कि हिंसा से अहिंसा का कोई मार्ग दिखा सकता है तो वह संत ही है। साध्वी शीतल ने भजन के द्वारा आत्म कल्याण का मार्ग बताया। इस दौरान अहिंसा भवन के मुख्य मार्ग दर्शक अशोक पोखरना,संरक्षक हेमन्त आंचलिया अध्यक्ष लक्ष्मणसिंह बाबेल मंत्री दिनेश मेहता,लक्ष्मण सिंह पोखरना,कुशलसिंह बूलिया, शांतिलाल कांकरिया, जसवंत सिंह डागलिया हेमन्त बाबेल,सुशील चपलोततथा महिला मंडल की अध्यक्षा नीता बाबेल,उमा आंचलिया रजनी सिंघवी, सुनिता झामण मंजू बाफना तथा पूर्वसभापति मंजू पोखरना आदि के साथ सैकड़ों श्रावक श्राविकाओं की धर्मसभा मे उपस्थित रही। निलिष्का जैन बताया नियमित प्रवचन प्रातः 9 बजे से 10:30बजे तक अहिंसा भवन शास्त्री नगर मे होंगे। **प्रवक्ता: निलिष्का जैन**

माहेश्वरी महिला मंडल द्वारा सतरंगी फाग महोत्सव 2024 का आयोजन

राधा कृष्ण की जोड़ी रही मुख्य आकर्षण का केंद्र, खेली फूलों से होली, भजनों पर सदस्याओ द्वारा किया सामूहिक नृत्य

सुनील पाटनी. शाबाश इंडिया

भीलवाडा। संजय कॉलोनी माहेश्वरी महिला मंडल द्वारा भिक्षु विहार में सतरंगी फाग महोत्सव 2024 का आयोजन किया गया। सभी ने गुलाल लगाकर एक दूसरे का स्वागत किया। आयोजन से पुर्व महेश वंदना महिला मंडल द्वारा प्रस्तुत की गई। अध्यक्ष रेणु कोगटा ने बताया कि अतिथि के रूप में आरकेआरसी महिला मंडल की अध्यक्ष चेतना जागेटिया, सचिव मीनू झंवर, पुराना शहर अध्यक्ष सुमित्रा भदादा, भोपालगंज महिला मंडल की अध्यक्ष कल्पना सोमानी, सचिव सुमन सोमानी, आजाद नगर महिला मंडल की अध्यक्ष राखी राठी, सचिव संगीता काकानी मौजुद रहे।

सिद्ध चक्र महामंडल विधान महोत्सव का छठम दिवस

किशनगढ़, अजमेर. शाबाश इंडिया

श्री आदिनाथ दिगंबर जैन मंदिर जी सिटी रोड़ में फाल्गुन मास की अष्टमी से प्रारम्भ अष्टानिका पर्व के अंतर्गत अष्ट दिवसीय श्री सिद्धचक्र महामंडल विधान महोत्सव के आज छठे दिन बहुत भक्तिभाव से विधान की पूजन हुई। कार्यक्रम संयोजक इंदर चंद पाटनी ने बताया की विधान के पूर्व प्रातःकाल श्रीमद देवाधिदेव 1008 श्री आदिनाथ भगवान का अभिषेक एवं शांतिधारा संपन्न हुई। जिसका पुण्यार्जन विधान के सोधर्म इन्द्र आर. के. मार्बल परिवार, यज्ञनायक आनंद कुमार कनकलता बज परिवार एवं प्रति इंद्र चेतन प्रकाश, रतनलाल, दिनेश, प्रदीप, सुनील, अंकित दगड़ा परिवार को प्राप्त हुआ। तत्पश्चात विधान महोत्सव की पूजन प्रारंभ हुई इस विधान में श्रमण संस्कृति संस्थान सांगानेर से पधारे उपाचार्य डॉक्टर किरण प्रकाश शास्त्री, अभिषेक भैया एवं रोहित भैया एवं अनिरुद्ध भैया के मार्ग निर्देशन में एवं सुप्रसिद्ध संगीतकार अजीत पांडया की मधुर सवर लहरियों के बीच विधान पूजन संपन्न कराई गई। इस अवसर पर आर. के. मार्बल परिवार से कंवरीलाल, महावीर प्रसाद, अशोक पाटनी, विनीत पाटनी आदिनाथ पंचायत के अध्यक्ष प्रकाश चंद्र गंगवाल, मंत्री विनोद चौधरी, उपमंत्री इंदरचंद पाटनी, नरेंद्र कासलीवाल, वीर पांड्या, पंकज बज, राजेन्द्र सेठी, वीरेन्द्र बड़जात्या, प्रकाशचंद, सुमेर पाटोदी, प्रकाश चौधरी, नागेंद्र चौधरी के साथ श्रीमती सुशीला पाटनी, शांता पाटनी, शुचि पाटनी, रूपा गदिया, पूनम जैन, सुनीता, नेहा पाटनी, उषा गोधा, सुंदर अजमेरा, उषा पहाडिया सहित अनेक समाजजन उपस्थित थे। **सांयकालीन महाआरती एवं सांस्कृतिक संध्याः** सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रभारी मोना झांझरी ने बताया कि पुलक मंच परिवार द्वारा महाआरती की एवं सांस्कृतिक

कार्यक्रम की प्रस्तुति दी जिसमे सबसे पहलें ओशिका अजमेरा, राशि सेठी, एकता काला, विनीता पाटनी, प्रिया लुहाड़िया ने मंगलाचरण नृत्य की प्रस्तुति दी जिसमे सुशीला पाटनी, शांता पाटनी, संगीता पापड़ीवाल, मोना झांझरी ने भी शामिल होकर झिनी झिनी उड़े रें गुलाल चालो नी मंदिरिया में प्रभु भक्ति में नृत्य किया उपस्थित समाज बंधु भी केसरिया रंग में रंग गए और भक्ति से सरोबर होकर झूमने लग गए उसके बाद धार्मिक संवेदनशील नाटिका संयम पथ की प्रस्तुति संगीता पापड़ीवाल एवं मोना झांझरी द्वारा दि गयी। कार्यक्रम के अंत में सुशीला पाटनी एवं शांता पाटनी द्वारा कार्यक्रम की बहुत सराहना एवं प्रशंसा की गयी। कार्यक्रम में मंच अध्यक्ष चन्द्र प्रकाश बैद, जीतू पाटनी, देवेन्द्र झांझरी, पूरन टोंग्या, मुकेश पापड़ीवाल, विकास गंगवाल, कमल बैद, सचिन अजमेरा, मांगीलाल झांझरी के साथ सुशीला पाटनी, शांता पाटनी, नीलू झांझरी, रेखा टोंग्या, शिल्पी पाटनी, सपना भानावत, अंजलि गंगवाल, रीना बज, कल्पना पाटनी, शोभा बैद, प्रभावना पाटोदी, बिना झांझरी, पिंकी पाटनी, सीमा गोधा, सुनीता गंगवाल, पल्लवी गंगवाल, मोना मित्तल आदि अनेक महिला सदस्य उपस्थित रहे। विधान संयोजक इंदरचंद पाटनी ने बताया कि विधान बहुत ही धूमधाम से भक्तिभाव से पूरी तन्मयता के साथ हो रहा है। आज विधान में विनय पाठ, देव शास्त्र गुरु, आदिनाथ भगवान की पूजा, नवदेवता पूजन के बाद श्री सिद्ध चक्र विधान की पूजन की गयी। मंडल जी पर छठम वलय के 256 अर्घ्य समर्पित किए गए। कल शुक्रवार को 512 अर्घ्य चढ़ेंगे कल के प्रति इन्द्र धर्मचंद, कैलाशचंद, मनीष, नीलेश पहाड़िया परिवार होंगे। विधान का सोमवार को विश्व शांति महायज्ञ, हवन एवं शोभायात्रा के साथ समापन होगा।

एसएफएस दिगंबर जैन मंदिर राजावत फार्म में अष्टान्हिका पूजन का आयोजन

जयपुर. शाबाश इंडिया

एसएफएस दिगंबर जैन मंदिर राजावत फार्म में प्रथम बार शास्वत महापर्व अष्टान्हिका मैं श्री अर्हत चक्र महामंडल महार्चना विधान जिसमें अरहंतो की आराधना की जा रही है। श्री आदिनाथ दिगंबर जैन मंदिर एसएफएस राजावत फार्म में चल रहे अष्टानिका महापर्व विधान मंडल पर नित्य नियम अभिषेक शांति धारा के पश्चात मंडल पर भक्ति भाव से पूजा प्रारंभ की गई। आज के मांगलिक कार्यक्रम में शांति धारा करने का मंडल के सोधर्म इंद्र महेंद्र विमला लुहाडिया एवं शके उनल्लसुरेंद्र जी बबीता जी पाटनी को सुनहरा अवसर प्राप्त हुआ शांति धारा के पश्चात श्री जी को मंडल विधान पर विराजमान करने का शुभ अवसर समिति के महामंत्री सौभाग मल जैन विधान संयोजक मिलाप चंद जी कैलाश चंद जी कमल चंद जी टोंगिया व अन्य इंद्र श्री लालचंद जी विनोद झं'झरी जी अशोक जी वीरेंद्र जी गदिया नरेंद्र जी शाह राजेंद्र जी सुरेंद्र प्रेमचंद क'ला को प्राप्त हुआ तुरंत पश्चात संयोजकः कैलाश चंद के द्वारा मंत्र उच्चारण से विधान पर अरिहंतो की आराधना की पूजा के अरघ चढ़ावाए गए जो विधान पूजन 11:00 बजे पूर्ण हुई महामंत्री सौभाग मल जैन ने व्यूबताया कि इस अष्टानिका महापर्व पर प्रतिदिन प्रातः 7:00 बजे से 11:00 बजे तक पूजा चलती है जिसका आनंद पूजन में बैठने वाले प्राप्त कर रहे हैं।

जयपुरिया अस्पताल में निःशुल्क भोजन वितरण का शुभारम्भ

जयपुर. शाबाश इंडिया

परमार्थ एवं आध्यात्मिक समिति की अनेक जनकल्याणकारी गतिविधियों में एक नई कड़ी जोड़ने के साथ ही नर सेवा नारायण सेवा के भाव को चरितार्थ करते हुए जरूरतमंद मरीजों एवम् उनके परिजनों हेतु आवास फाउन्डेशन के सहयोग से रुक्मिणी देवी बेनी प्रसाद जयपुरिया अस्पताल, मालवीय नगर, जयपुर परिसर में निःशुल्क दैनिक दोपहर का भोजन वितरण का शुभारम्भ माननीय विधायक कालीचरण जी सर्राफ के कर कमलों से हुआ। कार्यक्रम के संयोजक मनोज पाटनी रहे, अस्पताल के अधीक्षक डॉ॰ महेश मंगल एवम् एम्पलॉयर एसोसिएशन के अध्यक्ष श्री एन के जैन भी उपस्थित रहे। आवास फाउन्डेशन द्वारा समिति को भोजन हेतु विशेष सहयोग प्रदान किया जाता है एवम् भोजन वितरण हेतु वाहन की व्यवस्था भी उन्हीं के द्वारा की गई है। उपरोक्त कार्यक्रम समिति के मुख्य संरक्षक श्री आर के अग्रवाल, संरक्षक डा॰ एन के खीचा, अध्यक्ष श्याम विजय, वरिष्ठ उपाध्यक्ष ओम प्रकाश शर्मा, उपाध्यक्ष एवं संयोजक रामावतार माहेश्वरी, सचिव नरेन्द्र कुमार टांक, कोषाध्यक्ष राजेन्द्र प्रसाद गुप्ता, मीडिया प्रभारी बनवारी लाल विजय, कार्यकारिणी सदस्य द्वारका प्रसाद अग्रवाल, सत्य नारायण गुप्ता, कैलाश चन्द गंगवाल, सुरेश कुमार गुप्ता, राधे श्याम सोनी की उपस्थिति में सम्पन्न हुआ।

महावीर स्कूल प्रांगण में फूलों की रंगारंग होली आज

जयपुर. शाबाश इंडिया

दिगम्बर जैन समाज की 103 वर्ष पुरानी स्वयं सेवी संस्था श्री वीर सेवक मंडल,जयपुर सी-स्कीम स्थित महावीर स्कूल प्रांगण में फूलों की रंगारंग होली कार्यक्रम शनिवार को साम 7.30 बजे से आयोजित होगा। आयोजन की सारी तैयारियां पूर्ण कर ली गई है। श्री वीर सेवक मंडल के अध्यक्ष महेष काला व मानद मंत्री भानु कुमार छाबड़ा ने बताया कि इस मौके चंग ढप मारवाड़ी नृत्य के साथ फूलों की रंगारंग होली खेला जाएगी। इस दौरान कलाकार फाग गीतों के साथ आकर्षक प्रस्तुति देंगे। कोषाध्यक्ष राकेष छाबड़ा ने बताया कि इस मौके पर मुख्य अतिथि समाजश्रेष्ठी सुनील-निषा पहाड़िया अक्षत अपार्टमेंट, विषिष्ठ अतिथि श्री महावीर दिगम्बर जैन षिक्षा परिषद के अध्यक्ष उमराव मल सांघी,दीप प्रज्जवलनकर्ता समाजश्रेष्ठी सारसमल, कमलादेवी, पदम कुमार, भावना व अतिषय झांझरी होंगे जबकि अध्यक्षता समाजश्रेष्ठी शांति कुमार-ममता सौगानी जापान वाले करेंगे।

फागोत्सव का आयोजन हुआ

जयपुर. शाबाश इंडिया। खनक चित्रा एंटरटेनमेंट की डायरेक्टर अर्चना दास द्वारा 22 मार्च 2024 को फागोत्सव का आयोजन होटल वी. वन. प्राइड अजमेर रोड में किया गया। कार्यक्रम का मंच संचालन अनीता सचदेवा ने किया कार्यक्रम में मुख्य अतिथि निम्स यूनिवर्सिटी की एम.डी.डॉक्टर शोभा तोमर रही। इसमें समाजसेवी व भाजपा व्यापार प्रकोष्ठ संयोजक आदर्श नगर विधानसभा के प्रमोद जैन भँवर को दुपट्टा ओढ़ाकर व माल्यार्पण कर गेस्ट ऑफ ऑनर से सम्मानित किया गया इसमें समाजसेवी दीपक ताम्बी भी उपस्थित रहे।

पलाश की पंखुडियों पर सज संवर कर आती है होली

आज बचपन के दौर में जाकर देखते हैं, जहां पिचकारी की फुहार थी, रंग और पानी का हुड़दंग था, कोई मतभेद ना था, आपसी भाईचारा था, पलाश की तरह सब प्रफुल्लित थे। फाल्गुन आते ही ये प्रकृति रंगों से भर जाती है, पलाश जिसे हम जंगल की ज्वाला भी कहते हैं, वो हर किसी में उमंग भर देते हैं, वही उमंग जो इंद्रधनुष को देखकर होती है, वही उमंग जो फूलों को खिलते हुए देखकर होती है, वही उमंग जो पहली बारिश पर मिट्टी की सुगंध से होती है। भारत के त्योहारों को हम भारतवासी ही नहीं, देश-विदेश के लोग भी मनाने में रुचि रखते हैं। हमारे त्योहारों में एक बात कही जाती है कि अभी उत्सव का समय है, किसी को भी अकेला नहीं छोड़ो, सबको बुलाओ, सबसे मिलो, खूब खुश हो और खुशियां बांटो और सबको अपना बना लो। होली का त्यौहार सिर्फ गुजिया, मठरी या फागुनी देवता तक सीमित नहीं है, ये तो एक ऐसा आरंभ है जो मैत्री भाव सिखाता है। कुछ इस कदर कि किस तरह हम एक दूसरे पर निर्भर हैं। पलाश की पंखुडियों पर सज संवर कर आती है होली और सभी को अपने रंग में रंग देती है। होली उत्सव अपने आप में बहुत सी मान्यताओं से जुड़ा है, किसी के लिए ये बसंत ऋतु के महकते हुए फूलों की खुशी है तो किसी के लिए राधा-श्याम के प्रेम का प्रतीक, किसी के लिए ये पार्वती के अटल निश्चय को दशार्ता है जहां वह शिव को पति रूप में चाहिए थी तो किसी के लिए ये हरे भरे खेत में फसल पकने का इंतजार और अपने इष्ट को अन्न अर्पण करने की भावना, कहीं बुराई पर अच्छाई की जीत जिसमें होलिका दहन हुई थी। होली के रंगो में डूब जाना आज का नहीं, बल्कि पौराणिक समय से चलता आ रहा है, ये रंग प्यार का है, सद्भावना का और जिज्ञासा का है। आज के कॉर्पोरेट युग में हम सब तकनीक के गुलाम हो गए हैं, ये त्यौहार ही है जो हमें एक दूसरे से संपर्क बनाने की याद दिलाते और मीठा संवाद करवाते हैं। फागुन आते ही होली की शुरूआत हो जाती है, लेकिन आज कल ये स्वरूप थोड़ा बदल गया है, जब भी हम इस माहोल में जाते हैं तो ये हमें याद दिलाता है हमारी संस्कृति कितनी खूबसूरत है जिसमें सदैव एक दूसरे से परस्पर प्रेम की भावना है। हम कितना भी आधुनिक हो जाएं, दुनिया की दौड़ में भाग लें लेकिन एक मोड़ ऐसा आता ही है जो हमें अपनों से जुड़ने और थोड़ा रुकने की याद दिला ही देता है। आओ इस होली पलाश की पंखुड़ियों की तरह महके और अपनों को महकायें। - **वैशाली मुद्गल, उदयपुर।**

फगवा हम मनाएंगे...

होली के दिन पांच हम मस्ती में बिताएंगे।
पूर्णिमा की रात हम होलिका जलाएंगे।
गूजा और पुआ से उनका भोग लगाएंगे।
फगवा हम मनाएंगे...
पकवान खिला अपने पिया को रिझाएंगे।
पड़वा के दिन सुबह से रंग खूब उड़ाएंगे।
सजना जी के साथ प्रेम से होली मनाएंगे।
फगवा हम मनाएंगे...
सत्रह बरस बीत गए गुलाल लगाते लगाते,
आज रंग भरी बाल्टी से उनको नहलाएंगे।
लाल,हरे,पीले रंगों से उनको हम सजाएंगे।
फगवा हम मनाएंगे...
भाई दूज पर्व पर हम भाइयों को बुलाएंगे।
लाल पीला गुलाल माथे तिलक लगाएंगे।
जुग जुग जिए भाई आशीष दिए जायेंगे।
फगवा हम मनाएंगे...
तीज के दिन हम अपने नंदोई को सताएंगे।
ननद को साथ मिलाकर उनको रंग लगाएंगे।
ननद और नंदोई के साथ हुडदंग मचाएंगे।
फगवा हम मनाएंगे...
चतुर्थी का दिन थोड़ा हम शांति से बिताएंगे।
गणपति का व्रत रख श्रद्धा सुमन चढ़ाएंगे।
फूल और दूर्वा साथ लड्डुअन भोग लगाएंगे।
फगवा हम मनाएंगे...
रंग पंचमी के दिन फिर से रंग खूब जमाएंगे।
बच्चों के साथ मिल पिचकारी खूब चलाएंगे।
अपने घर आंगन को हम रंगो से नहलायेंगे।
फगवा हम मनाएंगे....

डॉ. अभिलाषा श्रीवास्तव
सहायक प्राध्यापक - हिंदी
अंबाह स्नातकोत्तर महाविद्यालय अंबाह

वैभव से युक्त नही बे भव होने का प्रयास करें, यही कल्याणकारी है: आचार्य सुनील सागर

जयपुर की पावन धर्म धरा पर पुनः आचार्य श्री सुनील सागर महाराज ससंघ का हुआ प्रवेश

जयपुर. शाबाश इंडिया

धर्म नगरी जयपुर में परम पूज्य आचार्य सुनील सागर महाराज ससंघ का एक बार पुनः मंगल आगमन हुआ तो वही जयपुर के मुहाने पर कानोता ग्राम पंचायत के शांतिनाथ दिगंबर जैन मंदिर बगराना समिति ने पाद प्रक्षालन कर गुरुवर की अगवानी की। आहार चर्या रिंग रोड स्थित बावन फिट हनुमान मन्दिर पर सम्पन्न हुई। धर्म जागृति संस्थान के प्रांतीय अध्यक्ष पदम चन्द बिलाला ने अवगत कराया कि दोपहर पश्चात शांति कुमार ममता सोगानी के फार्म हाउस हाईवा हेवन की ओर विहार हुआ तो भक्तों ने गाजे बाजे जयकारो के साथ जयपुर मंगल प्रवेश कराया। इस अवसर पर आचार्य सुनील सागर महाराज ने उपस्थित भक्तों से कहा की वैभव होना अति आवश्यक है किंतु वैभव में डूब जाना नही चाहिए, तीर्थंकर शांतिनाथ का जब समोशरण लगा तो अतुल वैभव का प्रदर्शन किया लेकिन भगवान फिर भी उस वैभव से चार अंगुल ऊपर रहे तो वैराग्य की तो अलग ही महिमा होती है।आचार्य ने समझाते हुए कहा कि वैभव से युक्त नही बे भव होने का प्रयास करें,यही कल्याणकारी है। इस अवसर पर जग्गा की बावड़ी, झोटवाड़ा, वैशाली नगर,जनकपुरी जयपुर जैन समाज के साथ-साथ धर्म जागृति संस्थान राजस्थान प्रान्त के पदाधिकारी संजय बडजात्या, पंकज लुहाड़िया आदि भी उपस्थित रहे। मुनि संघ प्रबंध समिति के मंत्री ओम प्रकाश काला के अनुसार शनिवार को प्रातः पद विहार करते हुए जग्गा की बावड़ी के दर्शन उपरांत राणा जी की नशिया चूलगिरी पर प्रातः प्रवेश होगा। तीन दिन तक वहीं प्रवास होगा उसके उपरांत जयपुर महानगर में वैशाली नगर पंचकल्याणक प्रतिष्ठा महा महोत्सव हेतु मंगल पदार्पण होगा । वैशाली नगर जैन समाज अध्यक्ष गजेंद्र जैन बड़जात्या के अनुसार 27 मार्च से 1 अप्रैल तक भव्य दिव्य पंचकल्याणक प्रतिष्ठा महोत्सव का आयोजन होगा।

आचार्य श्री 108 सुनिल सागर जी महाराज का स्वास्तिक प्लाईबोर्ड प्राइवेट लिमिटेड में मंगल प्रवेश हुआ

जयपुर. शाबाश इंडिया। आचार्य श्री 108 सुनिल सागर जी महाराज ससन्घ धर्म रथ के साथ में दिनांक 21 मार्च 2024 को स्वास्तिक प्लाईबोर्ड प्राइवेट लिमिटेड में मंगल प्रवेश हुआ । वहाँ पर ही गुरू पद पक्षालन, आरती,गुरू उपदेश , भजन, प्रतिक्रमन , रात्रि विश्राम हुआ । प्रातः काल जिनाभिषेक एवं शान्तिधारा के पश्चात गुरू आशीर्वाद प्राप्त होने पर संघ का विहार हुआ ।

बच्चों के साथ इको फ्रेंडली होली का आयोजन किया गया

जयपुर. शाबाश इंडिया

लायंस क्लब जयपुर स्पार्कल द्वारा मॉडल टाउन, राधा स्वामी नगर की कच्ची बस्ती के बच्चों के साथ इको फ्रेंडली होली का आयोजन किया गया जिसमें बच्चो को आर्गेनिक गुलाल, पिचकारी, बिस्कुट, कुरकुरे, पेन, टूथब्रश टूथपेस्ट, व नारंगी, व मुखोटे, वितरित किये गए। अंत मे सभी बच्चो को ठंडाई पिलाई गयी। बच्चों ने गायत्री मंत्र का उच्चारण करके सुनाया, होली के गीतों पर बच्चो के साथ क्लब सदस्याओं ने भी ठुमके लगाए। बच्चों ने पी.टी.,(योगा) किया। बच्चों को मुकुट लगाकर व माला पहनाकर राधा कृष्ण बनाया। सभी बच्चों ने खूब एन्जॉय किया। उक्त कार्यक्रम में क्लब अध्यक्ष ल. रानी पाटनी, सचिव सुजाता स्वर्णकार, कोषाध्यक्ष मंजू पूरी व मृदुला जैन उपस्थित रही।

Mahaveer Public School

A Senior Secondary Co-Educational English Medium CBSE Affiliated School
(Under the aegis of Shri Mahaveer Digmbar Jain Shiksha Parishad)
C.B.S.E. Affiliation No. 1730137

ADMISSION OPEN FOR CLASSES NURSERY TO IX & XI
SCIENCE, COMMERCE AND HUMANITIES

SESSION 2024–25

NEP Aligned Curriculum
Integrated and Experiential Learning

SCAN HERE TO REGISTER

MAHAVEERA BALVADI
(NUR TO PREP)
DIGITAL SMART AC CLASSROOMS

REGISTRATION FORMS AVAILABLE AT SCHOOL OFFICE BETWEEN 9.00 AM AND 1.00 PM ON ALL WORKING DAYS.

FOR ONLINE REGISTRATION : www. mahaveerpublicschool.org

SPECIAL FEATURES

- Student friendly infrastructure.
- Free of cost zero period activities.
- Judicious balance of indoor and outdoor games.
- Moral Education camp and sessions.
- Option for Skill Subjects.
- Fine blend of Academics with Subject Enrichment Activities.
- Well Equipped and Ultra Modern AI, Geography, Mathematics, Chemistry, Physics, Biology and Computer Labs.
- Professional training for Gymnastics, Judo, Skating, Yoga and All Indoor Games.
- Cricket Academy.
- Large sprawling field.
- CCTV Enabled Secured Campus.

Vardhman Path, Mahaveer Marg, C-Scheme, Jaipur-1, Ph.: 0141-2376797, Mob.: 9799938366
Email: schoolmahaveerpublic@gmail.com, Website: www.mahaveerpublicschool.org
/mahaveerpublicschooljpr /mahaveerpublicschooljpr

103 वर्ष

103 वर्ष
प्राचीन दिगम्बर जैन समाज की
स्वयंसेवी संस्था

श्री वीर सेवक मण्डल, जयपुर

चंग ढप और मारवाड़ी नृत्य के साथ विशेष प्रस्तुति

फूलों की रंगारंग होली

शनिवार, दिनांक 23 मार्च, 2024 ■ सायं 7.30 बजे से
स्थान : महावीर स्कूल प्रांगण, सी-स्कीम, जयपुर

समारोह के गौरवमयी अतिथिगण

अध्यक्षता	श्रेष्ठी श्री शांति कुमार जी श्रीमती ममता जी सौंगानी (जापानवाले)
मुख्य अतिथि	श्रेष्ठी श्री सुनील जी - श्रीमती निशा जी पहाड़िया (अक्षत अर्पाटमेंट)
दीप प्रज्ज्वलनकर्त्ता	श्रेष्ठी सारसमलजी कमला देवी जी पदम कुमार जी भावना जी अतिशय जी झांझरी
विशिष्ट अतिथि	श्रेष्ठी श्री उमरावमल जी नवीन जी संघी

आप सपरिवार इष्टमित्रों सहित सादर आमंत्रित है।

कार्यक्रम संयोजक
प्रदीप गोधा

कार्यक्रम सह-संयोजक
नरेश कासलीवाल

श्री वीर सेवक मण्डल, जयपुर

महेश काला अध्यक्ष	प्रदीप गोधा उपाध्यक्ष	भानु कुमार छाबड़ा मानद् मंत्री
सुरेश भौंच संयुक्त मंत्री	राकेश छाबड़ा कोषाध्यक्ष	शरद बाकलीवाल स्टोर इंचाज

कार्यकारिणी सदस्य
अरुण कोड़ीवाल • नरेश कासलीवाल • महेश बाकलीवाल • संजय पाण्ड्या
कांतिचन्द नृपत्या • योगेश टोडरका • प्रकाश गंगवाल • मितेश ठोलिया